TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जन्मदिन विशेष

10 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

स्वयं को प्रकाशमान बनाना स्वयं के हाथ में है।

कुमार विश्वास

(कवि)

जन्म: 10 फरवरी 1970

राकेश कुमार

10 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मान-सम्मान किसी के देने से नहीं मिलते,

अपनी योग्यतानुसार मिलते हैं।

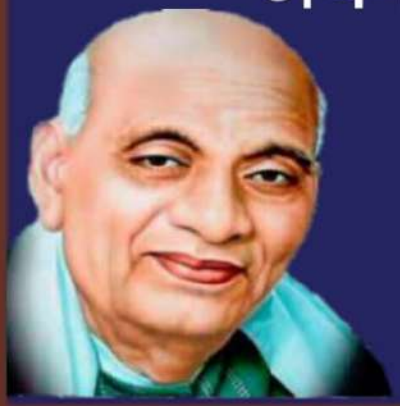

- सरदार वल्लभ भाई पटेल

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

10 फरवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार 10 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

" हमेशा अपना सर्वोत्तम करो। आप अभी सर्वोत्तम लगायेंगे, आप बाद में सर्वोत्तम पायेंगे।"

–ओग मंदिनो

"Always do your best- What you plant now, you will harvest later."

– Og Mandino

आज के दिन

1495– इंग्लैंड में सर विलियम स्टैनली को मौत के घाट उतार दिया गया।

1811– रूसी सैनिकों ने बेलग्रेड पर कब्जा किया।

1929– जे.आर.डी. टाटा पायलट लाइसेंस पाने वाले पहले भारतीय बने।

1931– दिल्ली भारत की राजधानी बनी।

1979– ईटानगर को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी बनाया गया

1946– लंदन के वेस्टमिन्स्टर हॉल में संयुक्त राष्ट्र सघ की आमसभा की प्रथम बैठक हुई थी।

1921– महात्मा गांधी ने काशी विद्यापीठ का उद्घाटन किया।

1. **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस**– प्रतिवर्ष 10 फरवरी और 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस पहली बार वर्ष 2015 में मनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के समग्र स्वास्थ्य, पोषण की स्थिति, लोगों को कृमि संक्रमण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और रोकथाम के उपाय करना है। विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से एक से उन्नीस वर्ष की उम्र के बीच के बच्चों को कृमिनाशक दवा देना है।

2. **इण्डिया गेट की नींव रखी गई**– इंडिया गेट का मूल नाम 'अखिल भारतीय युद्ध स्मारक' है। यह नई दिल्ली के राजपथ पर स्थित है। इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियंस ने तैयार किया था। यह स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय स्मारक है, जिसे पूर्व में 'किंग्सवे' कहा जाता था। इस स्मारक का निर्माण अंग्रेजों द्वारा उन 90,000 भारतीय सैनिकों की स्मृति में बनाया गया था, जो ब्रिटिश सेना में भर्ती होकर प्रथम विश्व युद्ध और अफगान युद्ध में शहीद हुए थे। यूनाइटेड किंगडम के कुछ सैनिकों और अधिकारियों सहित 13,300 सैनिकों के नाम गेट पर उत्कीर्ण हैं। इसे राजस्थान के लाल पीले और बलुआ पत्थरों से बनाया गया है। भारत की स्वतंत्रता के पश्चात इसकी मेहराब के नीचे 'अमर जवान ज्योति' स्थापित कर दी गई। अनाम सैनिकों की स्मृति में यहाँ एक राइफल के ऊपर सैनिक की टोपी सजा दी गई है, जिसके चारों कोनों पर सदैव एक ज्योति जलती रहती है। इस अमर जवान ज्योति पर प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री व तीनों सेना अध्यक्ष पुष्प चक्र चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस भव्य स्मारक की आधारशिला 10 फरवरी, 1921 को ड्यूक ऑफ कनॉट द्वारा रखी गई थी। यह 42 मीटर ऊँचा और 9.1 मीटर चौड़ा है।

3. **टेडी बीयर डे**– वर्ष 1910 में अमेरिकी राष्ट्रपति थियोडोर टेडी रुजवेल्ट मिसीसिपी राज्य के गवर्नर के नाते पर भालू का शिकार करने पहुँचे थे। रूजवेल्ट के कुछ दोस्तों ने एक काले अमेरिकी भालू को घेर लिया और एक पेड़ से बाँध दिया और उसका शिकार करने के लिए राष्ट्रपति को बुलाया। लेकिन रुजवेल्ट को उस पर गोली चलाना अच्छा नहीं लगा। बाद में, एक पत्रकार ने इस पर एक कार्टून बनाया। कार्टून से प्रभावित होकर एक रूसी यहूदी मॉरिस मिटकॉम ने एक कपड़े से भालू के बच्चे का खिलौना बनाया और अपनी दुकान पर रखा और नीचे लिखा टेडी बियर। मिटकॉन ने एक ऐसा खिलौना बना कर राष्ट्रपति रूजवेल्ट को भी भेजा और उन्होंने तुरंत इसके लिए अपना नाम इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी। चुंकि राष्ट्रपति के भालू पर प्यार आने के कारण उसे नहीं मारा, अतः इसे वेलेन्टाइन वीक में प्यार के इजहार के रूप में देखा जाता है। प्रतिवर्ष 10 फरवरी को टेडी बीयर डे के रूप में मनाया जाता है।

4. **विश्व दलहन दिवस**– संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वैश्विक भोजन के रूप में चना, सूखी फलियाँ और दाल जैसी दलहनी फसलों के महत्व को पहचानने के लिए 10 फरवरी को विश्व दलहन दिवस के रूप में नामित किया है। दालें फलीदार पौधों के खाने योग्य बीज हैं जिनकी खेती भोजन और चारे दोनों के लिए की जाती है।

5. **अंतराष्ट्रीय अरेबियन तेंदुआ दिवस**– अरेबियन तेंदुए की गंभीर रूप से लुप्त प्राय स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 10 फरवरी को दुनिया भर में वर्ष 2024 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा अरेबियन तेंदुए का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। अरेबियन तेंदुए को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने लाल सूची में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया है। रॉयल कमिशन फॉर अलऊला ने पहली बार वर्ष 2022 में अरेबियन तेंदुआ दिवस मनाया था। यह तेंदुए की उप–प्रजाति में सबसे छोटा है जिसके नर का औसत वजन 30 से 40 किलोग्राम और मादा का 25 से 35 किलोग्राम होता है। यह तेंदुआ केवल सऊदी अरब, ओमान, यमन और दुबई के इलाकों में पाया जाता है। अनुमान है कि 200 से भी कम अरबी तेंदुए बचे हैं। अतः इनके प्रति जागरूकता और संरक्षण हेतु यह दिवस मनाया जाता है।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

10 फरवरी

मधु प्रिया

इंडिया गेट की नींव 10 फरवरी

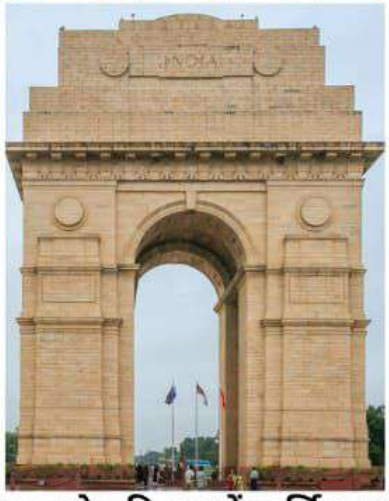

10 फरवरी यानी आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। इसी दिन वर्ष 1921 में डयूक ऑफ कनॉट ने 'इंडिया गेट' की नींव रखी थी। गेट को आर्किटेक्ट किया था एडविन लुटियन ने। इसे बनने में कुल 10 साल लगे थे और यह 12 फरवरी 1931 को बनकर पूरी तरह से तैयार हो गया था। इस गेट को लेकर कहा जाता कि पेरिस के आर्च ऑफ विक्ट्री से यह काफी मिलता जुलता है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया था। आर्किटेक्चर एडविन लुटियन को जब दिल्ली में सेंट्रल विस्टा की रूपरेखा तैयार करने को कहा गया तो उन्होंने इसके पूर्व भाग में इंडिया गेट का खाका तैयार किया था। इस प्रोजेक्ट में एक तरफ रायसीना हिल्स तो दूसरी तरफ एक नहर को बनाया गया था। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की कुल चौड़ाई 600 मीटर थी और इसके ठीक बीच में राजपथ है। अगर इंडिया गेट की बात करें तो इसकी कुल उंचाई 42 मीटर है और यह 9.1 मीटर चौड़ा है। गेट को लाल और पीले बलुआ पत्थर से बनाया गया है। जिसे राजस्थान के भरतपुर से लाया गया था। इंडिया गेट का पूरा परिसर 400 एकड़ में फैला हुआ है। दरअसल, अंग्रेजी सरकार ने इसका निर्माण प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए भारत के करीब 90 हजार सैनिकों की याद में करवाया था। दूसरा बड़ा कारण ये था कि यहां तात्कालीक सरकार अपने सारे आयोजन करवाना चाहती ताकि आयोजन को भव्य बनाया जा सके। यही कारण है कि इंडया गेट के चारों तरफ खुला मैदान रखा गया है। दिवारों पर लिखा है शहीदों का नाम
वहीं शुरूआत में इस गेट का नाम 'ऑल इंडिया वॉर मेमोरियल' था। जिसे बाद में बदल दिया गया। इंडिया गेट की दीवारों पर आज भी प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के नाम देखा जा सकता हैं। इस कारण से बनाया गया अमर जवान ज्योति मालूम हो कि आजादी के बाद इंडिया गेट परिसर में कई बदलाव किए गए। इसमें सबसे पहला बदलाव था, गेट के सामने से किंग जॉर्ज वी की प्रतिमा को हटना। वहीं 1971 में यहां पर अमर जवान ज्योति को बनाया गया। जो लगातार तब से जल रही है। इस ज्योति का निर्माण 1971 में भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए हजारों भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था।

Teachers of Bihar
The change makers

जन्मदिन विशेष 10 फरवरी

राकेश कुमार

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

कुमार विश्वास *Kumar Vishwas*, जन्म:10 फ़रवरी, 1970) हिन्दी भाषा के एक अग्रणी कवि हैं। श्रृंगार रस के गीत इनकी विशेषता है।

पुरस्कार-उपाधि	'काव्य-कुमार पुरस्कार', 'डॉ. सुमन अलंकरण', 'साहित्य-श्री'
प्रसिद्धि	कोई दीवाना कहता है (कविता)

TEACHERS OF BIHAR

The change makers

पुण्यतिथि विशेष 10 फरवरी

राष्ट्रपति आर. वेंकटरामन द्वारा रक्षा उत्पादन राज्य मंत्री में शपथ लेते हुए डूमर लाल बैठा

डूमर लाल बैठा भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति के.आर. नारायणन के साथ

डूमर लाल बैठा

जन्म - 01 जनवरी 1924 मृत्यु - 10 फरवरी 1997

डूमर लाल बैठा एक भारतीय राजनीतिक ,महान कृषक, वरिष्ठ वकील थे! भारतीय संसद में कई बार सदस्य चुने गए ! लोकसभा क्षेत्र अररिया के रूप में अनेक पदों को सुशोभित किए! भारत सरकार के संसदीय सचिव, बिहार विधानसभा सदस्य के साथ अनेक बार मंत्री के रूप में कार्य किये! नागरिक आपूर्ति मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री ,कल्याण और विकास आवास मंत्री, स्वास्थ्य और श्रम मंत्री , और शिक्षा मंत्री भारत सरकार के रूप में विकास के अनेक कार्य किए ...अपने जीवन काल में अपने क्षेत्र के विकास पुरुष के रूप में अमूल्य योगदान के लिए टिचर्स ऑफ बिहार की ओर से कोटि कोटि नमन वंदन..

/teachersofbihar

संजय कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 10.02.2025

सहभागी अवलोकन

सहभागी अवलोकन पद्धति मानव विज्ञान की सर्वप्रमुख विशेषता है। इसके अंतर्गत मानवविज्ञानी एक निश्चित समय अपने द्वारा अध्ययन किए जा रहे मानव समूह के साथ बिताते हैं। यह समय कम से कम एक वर्ष होता है। मानवविज्ञानी जनसमूह में घुल मिल कर रहता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

नासा की एक रिपोर्ट के अनुसार 22 दिसंबर 2032 में एक बड़ा एस्ट्रॉयड धरती से टकराने वाला है। यह एस्ट्रॉयड पूरे एक शहर को तबाह करने की क्षमता रखता है।

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

जिंक (Zinc)

संकेत (Symbol) - **Zn**

परमाणु संख्या (A. number) -30

समूह (group)-12

आवर्त (period)-4

परमाणु भार (A.weight) -65.38

ब्लाक(block)-d

संयोजकता (valancy)- 2

समस्थानिक (isotope)-5

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $[Ar]3d^{10}\ 4s^2$

खोज

1000BCE पूर्व

भौतिक गुण

नीला -सफेद रंग, तन्य, आधातवर्ध्य

रासायनिक गुण

उष्मा, विधुत सुचालक, संक्षारण प्रतिरोधी

उपयोग

गैल्वनाइजिंग,मिश्र धातु, बैटरी, रासायनिक उधोग

Anu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 505

इंडिया गेट की नींव 10 फरवरी को किस वर्ष रखी गई थी?

A. वर्ष 1921

B. वर्ष 1925

C. वर्ष 1917

D. वर्ष 1910

TOB बूझो तो जानें . .

473

परिवार हरा, हम भी हरे, एक थैली में तीन - चार भरें .. बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

डेकाथलॉन

लगातार दो दिनों तक चलने वाली एथलेटिक प्रतियोगिता जिसमें प्रतियोगी 10 ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में भाग लेते हैं। इसे तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में पेश किया गया था।

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन (IAAF) द्वारा स्थापिक तालिका के अनुसार हर प्रतियोगिता को उनके प्रदर्शन के लिए स्कोर दिया जाता है। सरल शब्दों में समझे तों पुरुषों के डेकेथलॉन में लगातार दो दिनों में आयोजिन **दस इवेंट्स** होते हैं।

डेकाथलॉन और हेप्टाथलॉन में अंतर

महिलाओं के लिए डेकाथलॉन की जगह हेप्टाथलॉन प्रतिस्पर्धा होती है। हेप्टाथलॉन प्रतिस्पर्धा में सात मीटर की प्रतियोगिता होती है जिसमें 100 मीटर बाधाएं, 200 मीटर की स्प्रिंटस,800 मीटर की दौड़, शॉट डाल, जेवलिन, लंबी कूद और ऊंची कूद शामिल होती हैं।

07 January

गुलाब तुम्हारे कितने रुप.....

गुलाब एक विशिष्ट श्रेणी का फूल है। दरअसल, यह प्रेम का सूचक है। आपको जानकर हैरानी होगी कि गुलाब कई अन्य रंगों में मौजूद होते हैं। खास बात यह है कि गुलाब के प्रत्येक रंग का अपना एक अलग ही मतलब होता है। आइए इसके बारे में जानते हैं।

(Red Rose) प्रेम का प्रतीक है लाल गुलाब।

(White Rose) - मासूमियत दर्शाता है सफेद गुलाब।

(Yellow Rose) मित्रता का प्रतीक है पीला गुलाब।

(Green Rose) समृद्धि का प्रतीक है हरा गुलाब।

(Pink Rose)तारीफ का प्रतीक है गुलाबी रंग का गुलाब।

(Orange Rose) उत्साह को दर्शाता है नारंगी गुलाब।

(Black Rose)दुश्मनी का प्रतीक है काला गुलाब।

(Violet Rose) राजशाही को दर्शाता है बैंगनी गुलाब।

स्थापना दिवस

10 फरवरी 1921

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

10 फरवरी

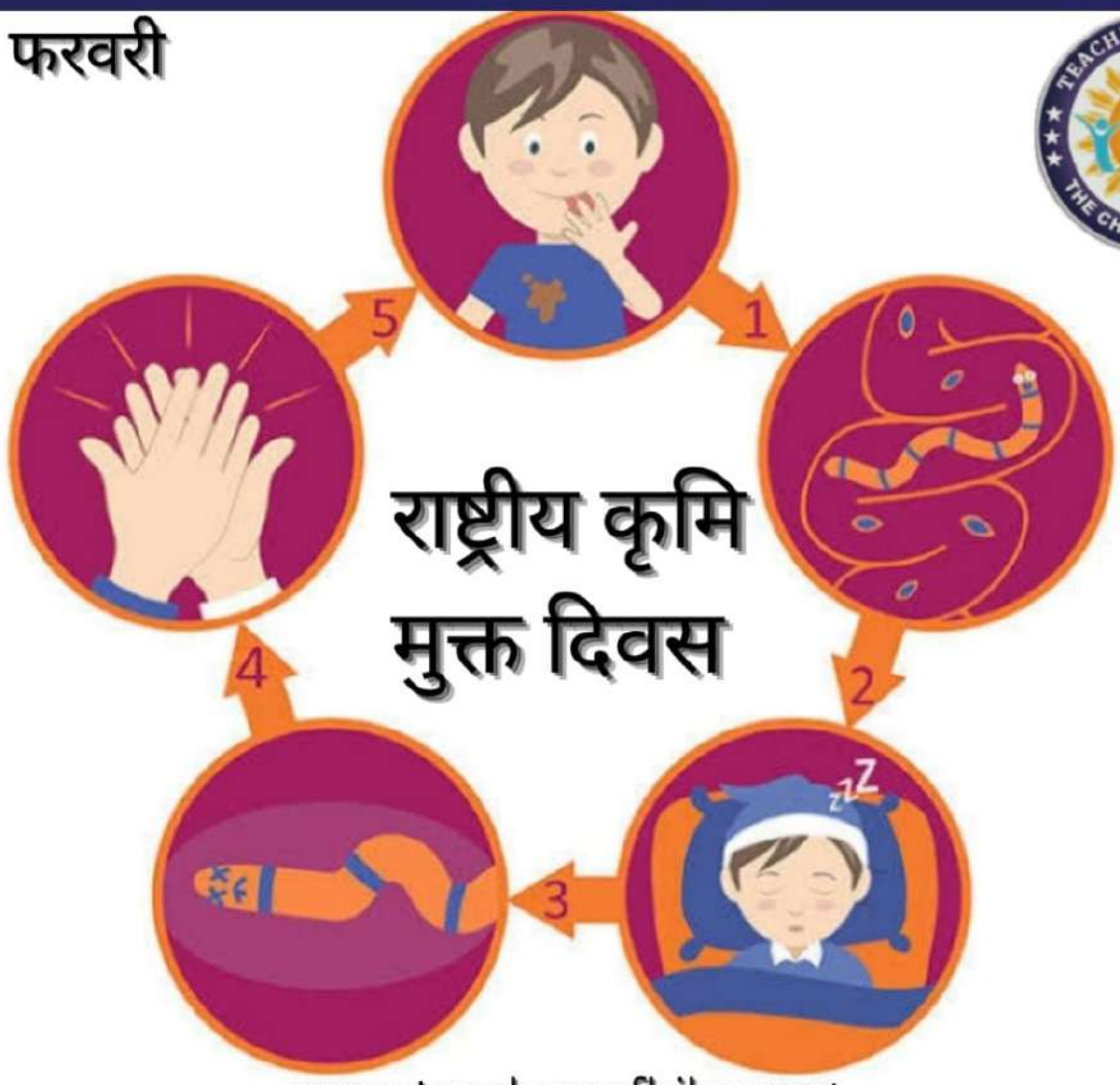

राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

10 फरवरी

विश्व दलहन दिवस

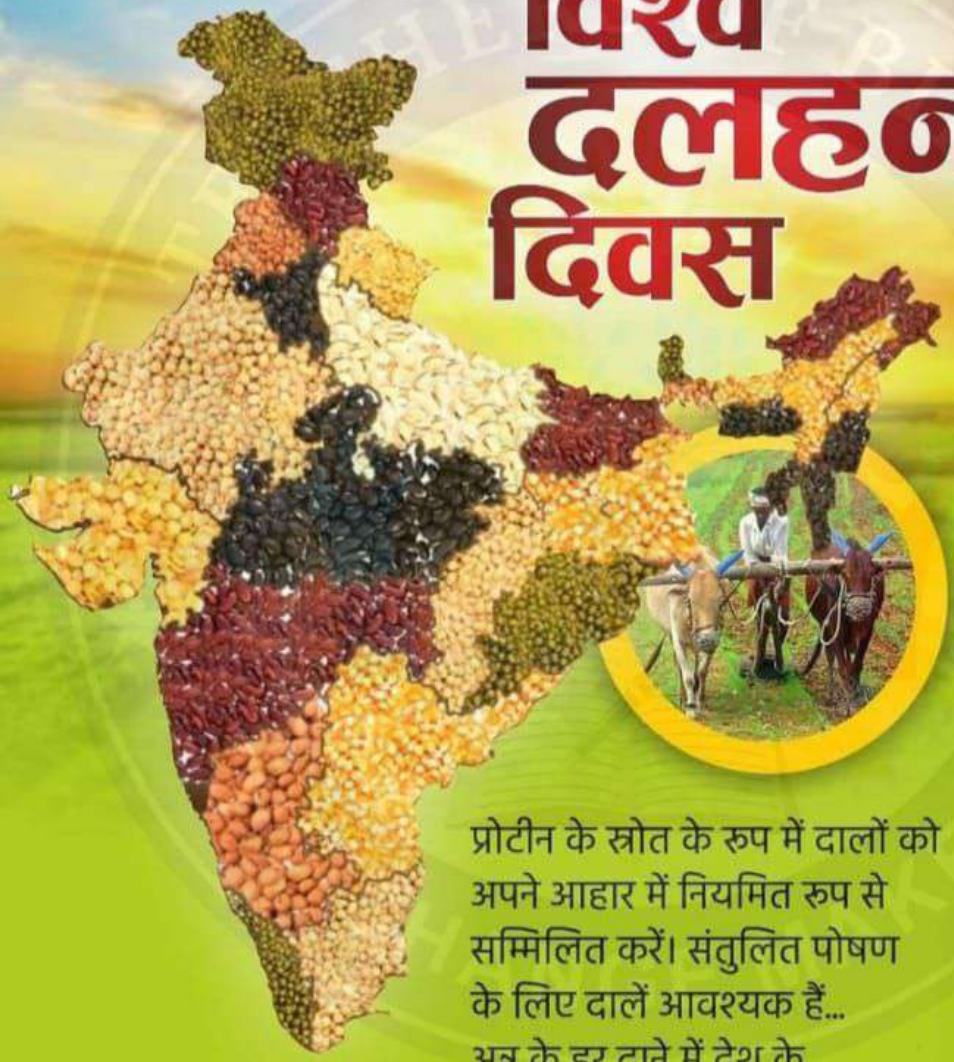

प्रोटीन के स्रोत के रूप में दालों को
अपने आहार में नियमित रूप से
सम्मिलित करें। संतुलित पोषण
के लिए दालें आवश्यक हैं...
अन्न के हर दाने में देश के
किसानों की मेहनत है...

Punita Kumari

www.teachersofbihar.org

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

कृमि से छुटकारा,

सेहतमंद भविष्य हमारा

---

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari